दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO-UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 84 मुरादाबाद, 13 July 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बारिश, बाढ़ और भूस्खलन... दिल्ली से हिमाचल तक जलप्रलय; उत्तराखंड में भी बरस रही आफत

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 जुलाई तक पूर्वोत्तर भारत और सिक्किम में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही आईएमडी ने यूपी बिहार मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। इधर बाढ़ के बाद कुछ पर्यटक हिमाचल प्रदेश में फंसे हुए हैं। उन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है।देश भर में बारिश का दौर शुरू हो चुका है। खासकर उत्तर भारतीय राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। वहीं, पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने बारिश को लेकर नई जानकारी दी है।उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति

जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हरिद्वार समेत गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की अधिकांश नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को छू गया है। बांधों और जलाशयों में पानी खतरे के निशान के करीब है।

हिमाचल में बारिश से काफी नुकसान

हिमाचल में बारिश के बाद काफी नुकसान हुआ है। हिमाचल के कई जिलों में बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है और कई जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। हिमाचल प्रदेश के सीएम जगत सिंह नेगी ने कहा कि बारिश की वजह से नेशनल हाईवे को नुकसान पहुंचा है और पानी व बिजली आपूर्ति बाधित हुई है।आईएमडी ने 13 जुलाई तक पूर्वोत्तर भारत और सिक्किम में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की।आईएमडी ने यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ पर्यटक फंसे हुए हैं। दिल्ली में 15-16 जुलाई के बाद तेज बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में यमुना नदी बुधवार को 207 मीटर के निशान को पार करते हुए 10 वर्षों में उच्चतम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। उत्तराखंड के हरिद्वार, गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की अधिकांश नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को छू गया है। रुद्रप्रयाग में भूस्खलन के कारण ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग वाहन यातायात के लिए बंद कर दिया गया। हिमाचल में बाढ़ से अभी तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 470 पालतू पशुओं की मौत हुई है। हिमाचल में बारिश से 100 मकानें पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। पहाड़ से पत्थर गिरने की वजह से ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के कारण चमोली में पहाड़ी ढह गई। यमुना में बढ़े जलस्तर को लेकर सीएम केजरीवाल ने गृह मंत्री शाह को पत्र लिखा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने चंद्रताल झील का हवाई निरीक्षण किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जिला प्रशासन के साथ बैठक कर बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने बाढ़ राहत कैंप का दौरा किया।

करनाल में एक और तटबंध टूटा

हरियाणा के करनाल जिले में यमुना नदी से सटे क्षेत्रों में तबाही का आलम है। यहां गढ़पुर टापू के पास टूटे बांध की मरम्मत लगातार तीसरे दिन जारी है, तो देर रात क्षेत्र के समसपुर गांव के पास एक और तटबंध टूटने से चिंता बढ़ गई है। अब करीब 30 गांव खतरे की जद में हैं। राहत सामग्री पहुंचाने में तीन नाव का प्रयोग किया जा रहा है।

बिहार के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि बिहार की राजधानी पटना सहित राज्य में अगले चार दिनों तक मानसून प्रभावी रहेगा। इसके परिणामस्वरूप कई जिलों में मेघ गर्जन के साथ भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, किशनगंज, अररिया, मधुबनी, सीतामढ़ी, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार व मधेपुरा जिले में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

यूपी में बारिश को लेकर प्रशासन अलर्ट

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तीन दिन तक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। यूपी में पिछले 24 घंटे में कई जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। इन जनपदों में मेरठ, एटा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बागपत, फिरोजाबाद, बिजनौर, बदायूं, औरैया, इटावा, रामपुर, बरेली, आगरा, बाराबंकी, मुरादाबाद, फर्रुखाबाद, कासगंज, लखनऊ, संभल और अलीगढ़ शामिल हैं। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी बोले, यूपी में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की संकल्पना को कर रहे साकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मऊ और शामली में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए एमओयू हो गया है। प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2017 के पहले प्रदेश में मात्र 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। आज यूपी में 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। 16 अन्य में निर्माण चल रहा है। 14 सरकारी और दो प्राइवेट। आज दो नए मेडिकल कॉलेज के लिए एमओयू हुआ है उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की संकल्पना को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं। यह न सिर्फ मेडिकल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य सुविधा गुणवत्तापूर्ण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे मिशन निरामया के तहत क्यूसीआई की ओर से नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग व मऊ व शामली में निजी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए अनुबंध कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊ और शामली में मेडिकल कॉलेज एक सपना था, जो अब साकार हो रहा है। यह वे जिले हैं, जहां पहले लोग जाने में डरते थे। मऊ माफिया के लिए जाना जाता था, शामली का भी यही हाल था। अब यहां क्वालिटी स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ क्वालिटी इलाज भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मिशन निरामया जो गत वर्ष शुरू किया गया था। आज देश का ब्रांड बना हुआ है। नर्सिंग और पैरामेडिकल बैक बोन होता है। मेडिकल शिक्षा की चर्चा तो की गई लेकिन नर्सिंग व पैरामेडिकल को भूल गए। कई जगह पर कॉलेज बिना इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकेल्टी के काम कर रहे थे। हमने इसे बेहतर करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान यदि मानक पूरा करता है तो उसे संबद्धता और सुविधा दी जाए लेकिन अगर वे मानक, इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकेल्टी, लैब, लाइब्रेरी की सुविधा नहीं पूरा करते हैं तो ऐसे संस्थानों को बाहर कर दिया जाएगा। हम प्रदेश के किसी युवा के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। मेडिकल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी संस्थान देंगे।

ज्योति मौर्य प्रकरण: होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे पर गिरी गाज, किया गया निलंबित

पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या प्रकरण में होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे पर प्रशासन की गाज गिरी है। उसे निलंबित कर दिया गया है। देशभर में चर्चित हुए पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में होमगार्ड बीके मौर्या ने अपनी संस्तुतियों के साथ रिपोर्ट मंगलवार शाम को भेज दी थी। जांच रिपोर्ट में डीजी होमगार्ड ने कमांडेंट मनीष को निलंबित करने के साथ मुकदमा दर्ज कर विवेचना की सिफारिश की थी। जांच में सामने आया है कि मनीष दुबे ने अपने कृत्यों से विभाग की छवि भी धूमिल करने के साथ संपर्क में आईं महिलाओं का शोषण किया। वर्ष 2021 में मनीष ने लखनऊ की एक युवती से अलीगंज स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। कुछ दिन बाद ही वह उसे 80 लाख रुपये दहेज में लाने के लिए प्रताड़ित करने लगा था। मनीष की पत्नी ने डीआईजी को दिए अपने बयान में इसकी पुष्टि की है। वहीं, अमरोहा में तैनाती के दौरान मनीष पर एक महिला होमगार्ड के यौन शोषण का आरोप है। डीआईजी के सामने महिला होमगार्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बयान दिया कि उसके विरोध पर मनीष ने उसे नौकरी से निकलवा दिया था। बाद में डीजी होमगार्ड से शिकायत पर वह बहाल हुई थी।

आलोक से तलाक लेने की बात कही थी...

इस प्रकरण की जांच कर रहे डीआईजी संतोष कुमार को ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्या ने कुछ कॉल रिकॉर्डिंग दी थी। इनमें से एक रिकॉर्डिंग में ज्योति और मनीष आपस में आलोक को रास्ते से हटाने, ठिकाने लगाने, कहानी खत्म करने... जैसे शब्द बोलते पाए गए हैं।

जब मनीष से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने कहा कि वे आलोक से तलाक लेने की बात कह रहे थे। हालांकि डीआईजी ने इस बातचीत को बेहद गंभीर प्रकरण मानते हुए पुलिस से जांच कराने की संस्तुति की है। इसका मुकदमा दर्ज होने पर ज्योति और मनीष के मोबाइल फोन, सीडीआर इत्यादि की गहनता से पड़ताल की जाएगी।

जांच के लिए ज्योति मौर्य ने भेजा था जवाब

वहीं, जांच के दौरान पीसीएस ज्योति मौर्य ने खुद पेश होने के बजाय अपना बयान लिखकर भेजा था। उन्होंने अपने बयान में खुद को निर्दोष करार दिया है। उन्होंने लिखा कि उनका अपने पति से विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है और वह अदालत के समक्ष अपनी बात रखेंगी।

ये था पूरा मामला

प्रयागराज के रहने वाले सफाईकर्मी पति आलोक मौर्य से रिश्तों में खटास के बाद पीसीएस अफसर ज्योति मौर्य चर्चा में बनी हैं। आलोक ने होमगार्ड मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी ज्योति मौर्य का होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर है। पीसीएस ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य प्रयागराज के निवासी हैं और पंचायतीराज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। शादी के बाद ज्योति मौर्य का पीसीएस में चयन हुआ था। उनके पति ने अपनी शिकायत में कमांडेंट मनीष दुबे पर तमाम गंभीर आरोप लगाए।

मुख्तार अंसारी की दिल्ली, पंजाब में 200 करोड़ की संपत्तियां होंगी कुर्क; करीबी ने आयकर विभाग के सामने उगले राज

गाजीपुर- बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। आयकर विभाग की पूछताछ में उसके करीबी गणेशदत्त मिश्रा ने कई राज उगले हैं। जनपद और प्रदेश ही नहीं, अन्य प्रांतों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता चला है। बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। आयकर विभाग की पूछताछ में उसके करीबी गणेशदत्त मिश्रा ने कई राज उगले हैं। जनपद और प्रदेश ही नहीं अन्य प्रांतों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता चला है। पैंथर卐 नामक आपरेशन का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार उप्र के अलावा पंजाब, दिल्ली में भी मुख्तार की करीब 50 बेनामी संपत्तियों में से ज्यादातर गणेशदत्त मिश्रा के नाम से हैं, लेकिन पैसा मुख्तार का लगा है। जांच में इन संपत्तियों के लेन-देन में भी फर्जीवाड़ा पाया गया है।अब तक इनके बारे में पुलिस को पता नहीं था। यह सभी बेनामी संपत्तियां मुख्तार ने अपने गिरोह के किसी न किसी सदस्य के नाम ले रखी हैं।

गाजीपुर में 20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बीते 20 जून को शहर कोतवाली पुलिस गणेशदत्त मिश्रा को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई और आयकर विभाग को सौंप दिया था। मुख्तार अंसारी के रियल एस्टेट का कारोबार गणेशदत्त मिश्रा ही देखता था। जिले में अब तक उसकी 20 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। मुख्तार पर विभिन्न राज्यों में 61 आपराधिक मामले हैं, जिनमें से छह में दोषी ठहराया जा चुका है। छह दिसंबर 2020 को गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस फोर्स ने गणेश के चार मंजिला भवन को ध्वस्त कर दिया था। 12 अक्टूबर 2022 रजदेपुर देहाती में तीन व कपूरपुर मौजा में एक संपत्ति को कुर्क किया था, जिसकी कीमत 14.20 करोड़ रुपये थी। 11 मई को लखनऊ से पहुंची इनकम टैक्स की टीम ने कपूरपुर में गणेशदत्त की दो संपत्ति को कुर्क किया था। इसी मामले में इनकम टैक्स टीम ने गणेशदत्त को कई बार नोटिस जारी किया था। इस बेनामी संपत्ति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया, उसका भी गणेशदत्त ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद गैर जमानती वारंट जारी होने पर शहर कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

संपादकीय Editorial

Havoc of corruption

The situation of heavy, torrential rains and floods is not just a disaster, but a result of rampant corruption. In this Harappa, Mohanjodaro civilization has been taught. Even in that era of civilization, the drainage system was better. Today we are living in the era of modernity, technological development and scientific experiments, but are incompetent, helpless, helpless in front of the monsoon rains. What is the root cause of this? Taking the example of the capital Delhi itself, the target of cleaning all the drains should have been achieved by June 28, but by June 30 only about 68 per cent work was done. When it rained heavily, the kalai opened because most of the drains were blocked. As a result, we have presented a glimpse of the plight of Delhi in yesterday's editorial. Now see its corrupt dimension too. In fact, every year 1500 crore rupees are spent in Delhi on rain preparations, drainage, sewers, cleaning of drains etc. Thousands of pumps are bought for smooth evacuation of water. If this budget is spent honestly, then why does a metropolis like the capital Delhi start drowning in water? Why does everything seem to stand still? Similarly, in a cyber and modern city like Gurugram, there is a provision of about 150 crore rupees for the preparation of rains, but why does this city turn into a plight and a dirty river during the rainy season? Gurugram becomes a pond of debris, through which the movement of vehicles is as if coming out of a 'Chakravyuh'! Really pathetic and insulting.

Where does that money even go? It is a strange paradox that flats of elite societies in Gurugram are sold for Rs 5-8-10 crores. The offices of the world's biggest companies are here, but only water and debris are visible on the main roads. Why this inefficiency and neglect? After all, who will decide whose responsibility? This can be a condemnable and shameful situation globally. In fact, the British era systems are present in the capital Delhi and its surrounding cities, so they are not effective and have become dilapidated. The model of 1976 is applicable in Delhi, when its population was around 60 lakhs. That is more than 2.5 crores today. Then why Delhi will not become 'Darya'? The problem is also of illegal and irregular colonies. These residential colonies do not have adequate arrangements for roads, drains, sewers, etc. As a result, water stagnates there during the rainy season. This affects other areas of the city as well. Another fundamental condition is that natural drainage has been consistently neglected in urban planning. Apart from this, sewer overflow is also a serious problem. In many places, there is a disparity between sewer and sewage disposal sites. In the capital Delhi, near ITO Chowk, sewage water and rain water mix and submerge the Police Headquarters to the Ring Road. This is the condition of the country's capital. A very serious problem is that of the garbage and debris coming out from the construction work, repairs, demolition etc. of the houses. These continuously block the flow of water and during the rainy season this debris spreads on the roads. Corruption is at the heart of all these situations. Leaving aside the mountains, the states of Delhi, Haryana, Punjab, Rajasthan, a part of Uttar Pradesh and Bihar etc. are still on 'alert'. About 100 deaths have taken place so far due to the rains and floods. This is not a common figure. After all, the citizen of the country is dying. Why has this situation come about? After two months there is a summit of G-20 countries in Delhi. In that, the heads of state of 20 big countries of the world have to come to Delhi. If something untoward happened, what would India say?

Cultivation of Opium: Curse of addiction as well as boon of nature

India is one of the few countries that is allowed to cultivate the opium poppy for export internationally. But its other side is also very harmful. The young generation is also being ruined by the misuse of life saving drugs like morphine, codeine and heroin made from it. Opium is nature's miracle and India's gift to the world because of its unique therapeutic properties and is indispensable in the medical world. Opium is an antidepressant, which relieves severe pain by slowing down the communication between your brain and body. It is derived from the poppy (Papaver somniferum L.). The source of opium, the poppy, is believed to be one of the earliest plants recorded for medicinal use. Along with allopathy, it is also used as a life saver in homeopathy and Ayurveda or Unani systems of indigenous medicines. India is one of the few countries that is allowed to cultivate the opium poppy for export internationally. But its other side is also very harmful. The young generation is also being ruined by the misuse of life saving drugs like morphine, codeine and heroin made from it. Poppy seeds, which come from the poppy seed, are one of the most important ingredients in the Indian kitchen and are seen as an important part of food not only in India but all over the world. Opium is more than a drug, it is a life-saving drug - opium may be dangerous for addicts, but it is also a source of life-saving and unbearable pain-relieving drugs in serious diseases like cancer. It contains alkaloids like morphine, narcotine, codeine, apomorphine, opionion, papaverine etc. and lactic acid, resin, glucose, fat and light yellow odorless oil. The most powerful pain relievers made from opium are opioids. It is considered very effective in pain. Brand names of opioids are Oxycontin (oxycodone) Vicodin, Norco and Lortab (hydrocodone with acetaminophen) Percocet (oxycodone with acetaminophen). Opioids are often used after surgical procedures as a pre-operative tranquilizer and to reduce post-operative pain and make patients comfortable. Opiate-derived drugs are often used in patients to control pain associated with chemotherapy, radiation therapy, or other cancer treatments. These drugs are used to reduce pain in chronic incurable diseases. It is sometimes used as an antitussive to suppress cough. Here, loperamide can also be used to treat diarrhea by slowing down bowel movements. But it is important to note that these should be used as per the prescribed dose and duration and only under medical supervision due to the potential for addiction, side effects and other risks. After the Mughals, the British also earned from opium. During the Mughal Empire, opium was grown on a large scale and was an important item of trade with China and other eastern countries. During the late 16th century, opium was brought under a state monopoly. However, during the final years of the Mughal Empire the state lost its hold and control over the production and sale of opium was appropriated by a clique of merchants in Patna. After the Battle of Plassey in 1757, the monopoly of opium cultivation went into the hands of the East India Company. In 1873, the then Governor General Lord Warren Hastings took the entire opium trade under government control. In addition to medicinal and scientific purposes, keeping in view the concerns of the world community about the extremely dangerous side effects of opium, the process of limiting the cultivation of opium had started in India during the British period. In 1909, the Government of India had also signed the international treaty to curb the cultivation of opium. During the British period itself, in 1910, there was a complete ban on the cultivation of opium in Bihar. The process of phasing out opium cultivation had begun in Uttar Pradesh as well. After India gained independence in 1947, control over the cultivation and manufacture of opium became the responsibility of the central government from April 1, 1950. On the basis of the Opium and Revenue Laws (Extension of Application) Act 1950, the Central Government made three Acts, the Opium Act 1857, the Opium Act 1878 and the Dangerous Drugs Act 1930, which became equally applicable to all the states of the Indian Union. Over the years there were some changes in the methods of control, production, distribution, sale and possession of opium and the monopoly remained entirely in the hands of the Government of India. Opium production was exempted in tribal areas – British laws were always lax in tribal areas. While the tribes were allowed to make liquor for their own consumption, opium production was also relaxed. For example, in the tribal Jaunsar Bawar region of Uttarakhand, opium has been cultivated since ancient times for spices etc. Prior to the implementation of the Constitution of India, the Opium Act 1857 and the Noxious Drugs Act, 1930 were not applicable in Jaunsar Bawar Pargana being a Scheduled Area. After the enactment of the Opium and Revenue Laws (Extension of Application) Act, 1950 in 1950, the Opium Act, 1857 and the Noxious Drugs Act, 1930 also came into force in this area from 18th April, 1950. Since licensing was done on 30th September, 1962 On the cultivation of opium from 1st October 1962 till the expiry of the period A complete ban was imposed and it was widely publicized, yet the central government received information about illegal cultivation of opium. In the year 1961-62, licenses were given for only 17 hectares but actually 25 hectares were reported to be under opium cultivation. Thus from October 1, 1963, there was a complete ban on the cultivation of opium in Jaunsar Bawar pargana. Now there is a demand for the cultivation of opium under the control of the government in this area. Cultivation of opium under government supervision - Government of India every year announces licensing policy for cultivation of opium poppy, inter alia, minimum qualifying yield for issue or renewal of license, maximum area that can be cultivated by an individual farmer can be done. Maximum profit that can be allowed to a farmer for loss due to natural causes etc. Cultivation of opium poppy can be done only in those areas which are notified by the government. At present these areas are confined to three states, Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh. Mandsaur district of Madhya Pradesh and Chittorgarh and Jhalawar districts of Rajasthan account for about 80 per cent of the total opium growing area. Opium factories run under the control of the government - under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act 1985 and the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Rules, 1985, at present the Narcotics Commissioner with subordinates exercises all powers relating to the cultivation of opium poppy and superintendence of production of opium does and does all the work. There are two government opium and alkaloid factories in India, but in the year 1976, the Organization of Controller of Major Factories was established for better control and management. These factories are at Neemuch in Madhya Pradesh and Ghazipur in Uttar Pradesh.

Solution: Environment planning is important along with cities drowning in monsoon

Just as urban planning is important, similarly environmental planning is also important. It is high time that the governments and planning agencies focus on these, so that the people of the country stay safe in the monsoon and we have the infrastructure in place to face the environmental changes. Every summer, most of the Indians face the heat. They do and they get relief only from the monsoon. Farmers who depend on the monsoon for their crops take extra care to ensure that their crops benefit from the rains. Along with this, there are many people who are afraid of the wrath of nature, because the fierce rains create havoc. And it is not just a story of urban areas anymore, but the whole of India is facing the wrath of severe monsoon these days. Submerging of big to small cities and people getting affected by it has become a common thing now. Torrential rains and floods have badly affected seven states and union territories in northern India, including Himachal Pradesh, Uttarakhand, Punjab, Haryana, Rajasthan, Jammu and Kashmir and Delhi. It is the beginning of July and already many parts of the country are facing heavy rains. Ironically, it was predicted only a few months ago that we would face an El Nino effect, which basically suppresses the monsoon, reducing the total rainfall during monsoon days. But the rains in recent weeks have brought many cities to a standstill and schools have been closed in many places. Various offices have been advised to consider getting their employees to work from home. The loss due to the flood-like situation is estimated to run into several thousand crores and there is no figure for the benefits. There are a number of factors that are causing the extreme and sometimes unpredictable rainfall, including the effects of climate change and the rising temperature of the Earth's surface. But the real culprits for the heavy losses are poor infrastructure and unplanned construction taking into account future weather conditions, especially heavy rains. Cultivable land and dried up old water bodies like lakes and wetlands are being used to build structures made of concrete, which is not suitable for absorbing water. Generally, lakes and ponds serve to retain excess surface water and are a major component of natural moisture during heavy rains and floods. Similarly, massive construction in hilly areas and forced diversion of flow of natural water bodies is causing damage to the environment. Forest land helps in retaining the soil and recharging the ground water. The loss of natural flow of rivers due to deforestation in the name of development and making roads is a matter of concern. Every year one or the other hilly area has been bearing the brunt of rains and floods. Often villages are submerged in these areas and lives and livelihoods are badly affected. Even small unprecedented rains of a day or two submerge cities and towns for a long period of time. For example, in newly developed townships in the national capital of Delhi or the National Capital Region of Noida and Gurgaon, it is common for roads to remain waterlogged like rivers for several hours, bringing traffic and life to a standstill. These cities were built after proper planning, yet they have to face the fury of nature, because monsoon, flow of water and ground water recharge were not taken care of in the planning. In fact, in the construction of these towns and cities, so much concrete jungle has been laid that there is no room left for water absorption. The planners of these cities have not paid attention to rain water harvesting and water conservation, which leads to wastage of water as well as havoc when it rains. The blame for this is entirely on the municipalities and state governments, which indulge in construction activities without proper planning for contingencies and protection of natural resources, and without considering the impact of large-scale urbanisation. Master plans of cities and municipalities focus on capacity building without studying the impact of population growth and limited resources to manage it. They build flyovers and roads to make traffic easier and faster, but do not have adequate drains for drainage and measures to store excess water in the monsoon. In places where such facilities have been built, due to lack of maintenance, pipes are found jammed (blocked) on the very days when they are actually needed. The objective of urban planning is to make the city functional by creating a network of mobility, water supply, electricity, sanitation and drainage by demarcating city maps and areas. Sometimes the focus on creating an efficient city neglects the conservation of its natural resources.

आधी रात झाड़ियों में रोती मिली बच्ची, पैरेंट्स की तलाश में जुटी पुलिस

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र में डीपीएस स्कूल के पास झाड़ियों में एक साल की मासूम बच्ची मिली। रास्ते से गुजर रहे एक फैक्ट्री के चौकीदार ने बच्ची के रोने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने बच्ची को झाड़ियों से निकालकर थाने ले आई। पुलिस बच्ची के मां बाप को तलाशने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक या तो बच्ची के मां बाप ने खुद बच्ची को झाड़ियों में छोड़ा है या फिर किसी ने बदला लेने की नियत से बच्ची को अगवा कर झाड़ियों में लाकर फेंक दिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है। बच्ची को थाने में महिला पुलिसकर्मी संभाल रही है। मझोला थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार को रात करीब 12 बजे पुलिस को किसी ने फोन पर सूचना दी थी

कि डीपीएस स्कूल के सामने झांड़ियों में एक बच्ची के रोने की आवाज आ रही है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को यहां एक मासूम बच्ची झांड़ियों में पड़ी नजर आई। रात के अंधेरे में वो अकेले झाड़ियों में पड़ी थी। पुलिस ने तुरंत बच्ची को वहां से उठाया और थाने ले आई। इंस्पेक्टर ने बताया कि बच्ची के परिजनों की तलाश की जा रही है। इसके लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है। बच्ची के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए गए हैं। ताकि उसके परिजनों के बारे में जानकारी हो सके।

प्रेमिका के लिए कुछ भी करूंगा: मुस्लिम से हिंदू बनने को शादीशुदा आमिर की डीएम से गुहार, पत्नी बोली- नाटक

मुरादाबाद -मुरादाबाद में मुस्लिम से हिंदू बनने के लिए शादीशुदा आमिर ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई है। आमिर की पत्नी ने कहा कि गर्लफ्रेंड के साथ रहने के लिए उसका पति नाटक कर रहा है। आमिर एक बेटी का पिता भी है। शादीशुदा पति और हिंदू गर्लफ्रेंड के बीच 2014 से बातचीत हो रही है। गाजियाबाद की एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत मुगलपुरा के आमिर ने इस्लाम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपनाने के लिए डीएम से गुहार लगाई है। बताया कि वह आमिर की जगह अपना नाम अमित माहेश्वरी रखना चाहता है। पुलिस की जांच से पता चला कि आमिर एक बेटी का पिता है। आमिर की पत्नी ने बताया कि उसका पति गर्लफ्रेंड के साथ रहने के लिए धर्म परिवर्तन का नाटक कर रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से एसपी ने उसके घर पर फोर्स लगा दी है। मुगलपुरा प्रिंस रोड का रहने वाला आमिर गाजियाबाद की एक प्राइवेट कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत हैं। उसने मुस्लिम से हिंदू धर्म अपनाने के लिए तीन जुलाई को डीएम कार्यालय में प्रार्थनापत्र दिया था। डीएम ने इस मामले में एडीएम सिटी और एसपी सिटी को जांच करने के निर्देश दिए। पत्र में आमिर ने लिखा है कि वह हिंदू धर्म में आस्था रखता है। वह अपनी इच्छा से बगैर किसी

दबाव में हिंदू धर्म अपनाना चाहता है। वह अपना नाम बदलकर अमित माहेश्वरी रखना चाहता है। उसने डीएम से सुरक्षा की भी मांग की। पुलिस की जांच से पता चला कि आमिर शादीशुदा है। उसकी शादी फरवरी 2022 में लाकड़ी वालान निवासी गुलशफां से हुई थी। उसकी चार माह की एक बेटी भी है। पत्नी ने बताया कि वह उसका पति कट्टर मुस्लिम है। वह हिंदुओं से नफरत करता है लेकिन 2014 से वह एक हिंदू लड़की से बातचीत करता है। इस मामले की जानकारी मिलने पर उसने पति से पूछताछ की और विरोध भी जताया था। इसके बाद वह छिपकर बातचीत करता है। उसे पता नहीं है कि हिंदू लड़की ऐसा करने पर उसे लव जिहाद में फंसा देगी। वह हिंदू गर्लफ्रेंड के साथ घर बसाने के लिए नाटक कर रहा है। इस मामले में पत्नी ने भी डीएम कार्यालय में पति के खिलाफ प्रार्थनापत्र दिया है।

पत्नी ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

शहर में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आने पर आमिर घर से गायब हो गया है। वह किसी का फोन भी रिसीव नहीं कर रहा है। उसकी पत्नी गुलशफां ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले में न्याय की गुहार लगाई है ताकि उसका घर उजड़ने से बच सके।

ऐसे हुई गर्लफ्रेंड से मुलाकात

आमिर की गर्लफ्रेंड कासगंज की रहने वाली है लेकिन दोनों की मुलाकात मुरादाबाद में हुई थी। गर्लफ्रेंड ने शहर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई की थी। 2014 में दोनों की दोस्ती हुई थी। वर्तमान में गर्लफ्रेंड नोएडा स्थित एक कंपनी में जॉब करती है। आमिर की पत्नी ने बताया कि आमिर अमित माहेश्वरी नाम इसलिए रखने का प्रयास कर रहा है। क्योंकि गर्लफ्रेंड का टाइटल भी माहेश्वरी है। धर्म परिवर्तन का नाटक कर रहा है। यदि कोई हिंदू से मुस्लिम या मुस्लिम से हिंदू बनना चाहता है तो उसे किसी अधिकारी के आदेश की जरूरत नहीं होती है। यह उसका निजी मामला है लेकिन जांच में आया है कि शादीशुदा आमिर नाटक कर रहा है। इस मामले में उसकी पत्नी ने भी प्रार्थनापत्र दिया है। -शैलेंद्र कुमार सिंह डीएम मुरादाबाद

मझोला थाने के सामने झाड़ियों में मिली सात माह की बच्ची, पुलिस ने बच्ची को चाइल्डलाइन को सौंपा

मुरादाबाद के मझोला थाने के सामने डीपीएस स्कूल के पास मंगलवार रात सात माह की एक बच्ची झाड़ियों में पड़ी मिली। राहगीरों ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद बच्ची को थाने लाया गया।

बच्ची की पहचान कराने के लिए सोशल मीडिया पर भी की जानकारी शेयर की गई। पुलिस ने चाइल्डलाइन की टीम को थाने बुला लिया और बच्ची को सुपुर्दगी कर दिया। पुलिस आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने चाइल्ड लाइन की टीम को थाने बुला लिया और बच्ची को सुपुर्दगी कर दिया। पुलिस आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बच्ची का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया गया। बच्ची को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर मोर्चा ने निकाली बाइक रैली

मुरादाबाद -मुरादाबाद। पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मांगों को लेकर कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने दोपहर जिला अस्पताल से डीएम कार्यालय तक रैली निकाली। आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं को अनसुना कर रही है। मोटर साइकिल रैली जिला अस्पताल से होते हुए रोडवेज, नगर निगम हुए निकाली गई। इसमें विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, सेल टैक्स, वन विभाग, सिंचाई विभाग, गन्ना विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी शामिल थे। रैली का नेतृत्व संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला कर रहे थे। जुलूस कलेक्ट्रेट में पहुंचने के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मोर्चे के अध्यक्ष एवं डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली ,वेतन विसंगति, आउटसोर्सिंग, संविदा कर्मचारियों के विनियमितीकरण की मांग पर निर्णय नहीं ले रही है। दूसरी ओर कर्मचारी संगठनों के अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कर्मचारी संगठनों के लगातार अनुरोध के बावजूद कार्मिक विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण नीति 2023 के पैरा 12 में संशोधन नहीं किया जा रहा है। इसमें कार्मिक विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त संघ के अध्यक्ष, सचिव के स्थानांतरण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यदि स्थानांतरण नीति के पैरा 12 का संशोधन नहीं किया गया तो प्रदेश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कोषाध्यक्ष हेमंत चौधरी ने कहा कि शासन में बैठे अधिकारी, कर्मचारी संगठनों के अस्तित्व को नकार रहे हैं। शासन स्तर पर कर्मचारी संगठनों से वार्ता नहीं की जा रही है। सभा को मुख्य रूप से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, मंत्री राजवीर सिंह, रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के क्षेत्रीय मंत्री रामेश्वर दयाल भारती, एमडीए कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, लोनिवि नियमित इंचार्ज वर्क चार्ज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सोमपाल सिंह, नर्सेज संघ की अध्यक्ष पूनम मैसी, आशुतोष त्यागी, उपाध्यक्ष निश्चल भटनागर, मातृ शिशु कल्याण कर्मचारी संघ के अध्यक्ष लीला सुगड़ा, जिला मंत्री रीना राही, प्रतिमा शर्मा, अरविंद कुमार, एसके सिंह ने भी संबोधित किया।

शादी में डबलबेड नहीं मिलने पर साले की हत्या करने वाले बहनोई को आजीवन कारावास

मुरादाबाद -शादी में डबल बेड नहीं मिलने पर साले की हत्या करने वाले बहनोई को अदालत ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सबूतों के अभाव में दूसरे आरोपी को बरी कर दिया गया। भगतपुर थाना क्षेत्र के बरखेड़ा चक निवासी प्रीतम सिंह ने 24 अक्तूबर 2015 को भगतपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया कि उसका छोटा भाई नरेश उर्फ गुड्डू 22 अक्तूबर से लापता है। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस ने नरेश की खोजबीन शुरू की। तब पता चला कि नरेश उर्फ गुड्डू की बहन रेखा की शादी भोजपुर के देवीपुरा का मझरा निवासी मनोज के साथ हुई थी। नरेश और उसके बहनोई मनोज के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। पुलिस ने शक के आधार पर बहनोई मनोज कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने राज उगल दिया। आरोपी ने बताया कि उसकी शादी में डबलबेड नहीं दिया गया था। इससे उसकी गांव में बहुत बदनामी हुई थी। जिसे लेकर नरेश उर्फ गुड्डू से विवाद हुआ था। इसके बाद शादी कराने वाले बिचौलिया ने डबलबेड दे दिया लेकिन कुछ दिन बाद बिचौलिया भी अपना डबल बेड लेकर चला गया था। मनोज ने इस बात की शिकायत नरेश उर्फ गुड्डू से की थी। तब नरेश ने उसे बुरा भला कह दिया था। दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद से वह अपने साले की हत्या की प्लानिंग कर रहा था। आरोपी बहाने से अपने साले नरेश को बिजनौर के फतेहपुर छम्मन वाला निवासी अपने दोस्त मदन से मिलाने ले गया था। वहां बिजनौर के रेहड़ थाना क्षेत्र में मनोज ने नरेश उर्फ गुड्डू की गोली मारकर हत्या कर लाश नदी में फेंक दी थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लाश बरामद की थी। पुलिस ने आरोपी मनोज कुमार और मदन को जेल भेज दिया गया था। कदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या -11 मोहित शर्मा की अदालत में की गई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मधु रानी चौहान ने अदालत में सरकार की ओर से पक्ष रख। अदालत ने पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर मनोज कुमार को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है जबकि उसके साथी के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत न होने के कारण उसे बरी कर दिया।

15 और 17 जुलाई को कक्षा आठ तक के स्कूलों में अवकाश घोषित

मुरादाबाद- श्रावण मास की शिवरात्रि 15 जुलाई और महीने के दूसरे सोमवार 17 जुलाई को जिले में सभी बोर्डों से संचालित कक्षा आठ तक के स्कूल बंद रहेंगे। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद, सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के आठवीं तक के स्कूलों को इन दोनों दिनों में बंद रखने के लिए कहा है। शिक्षाधिकारियों से इसका कड़ाई से पालन कराने के लिए कहा है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संचारी रोग में खराब कार्य करने वाली आंगनवाडी कार्यकत्री को चिन्हित किए जाने के निर्देश

मुरादाबाद -मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टेऊट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आई0सी0डी0एस0 एवं आंगनवाडी कार्यकत्रियों को अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। होम विजिट स्टेटस में सीडीओ ने पोषण टेऊकर ऐप पर सीडीपीओ को आंकड़े दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोषण टेऊकर पर ठीक प्रकार से सैम बच्चों का चिन्हाकंन किया जाए। जब भी गांव में सेशन लगे वहां पर बच्चों को लेकर जाये और एनआरसी पोर्टल पर फीड करें, एनआरसी में जाने लायक बच्चों की सूची पहले से तैयार रखें। सुपवाइजर स्कूलों में पहुंचकर लड़कियों का एनीमिया चैक करें तथा सभी पैरामीटर पर ठीक प्रकार से कार्य करें। उन्होंने कहा कि सेम एवं मेम चिन्हित बच्चों की संख्या के आंकडे भी दुरस्त रखे जाए। एनआरसी एडमिशन में प्रगति खराब होने पर मुख्य विकास अधिकारी ने प्रगति बढ़ाने के साथ ही एनआरसी सेन्टर पर लाने से पहले बच्चें के माता-पिता से सहानुभूति पूर्वक कांउसलिंग करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आई0सी0डी0एस0 विभाग का निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं को पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायें। उन्होंने विशेष जोर देकर कहा कि जिन बच्चों को स्वास्थ्य ट्रीटमेंट की आवश्यकता है स्वास्थ्य विभाग उनकी जांच कर आवश्यक ट्रीटमेंट उपलब्ध करायें। सेम बच्चों को ई-कवज पोर्टल पर शतप्रतिशत एंट्री करें, जिससे कि हमारा कार्य दिखना चाहिए। सीडीओ ने कहा कि संबंधित विभाग अपेक्षित सहयोग बनाये रखें। उन्होंने कहा कि वी0एच0एस0एन0डी0 सेशन पर सभी आवश्यक उपकरण अवश्य हों, इसका विशेष ध्यान देते हुए कार्य सुनिश्चित करें। सी0डी0ओ0 ने खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि एनीमिया टेवलेट का स्कूलों में समय पर अवश्य इस्तेमाल करायें और सभी प्रधानाचार्यो तक इस बात को पहुंचायें, ताकि बच्चें मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वस्थ्य रहें। मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण में पंचायतीराज एवं आईसीडीएस विभाग को पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये और फील्ड विजिट के दौरान आंगनवाडी कार्यकत्री घर जाये तो माताओं को संचारी रोगों के फैलने एवं उनके बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि संचारी रोग अभियान में खराब कार्य करने वाली आंगनवाडी कार्यकत्रियों को चिन्हित किया जाये तथा आंगनवाडी कार्यकत्री द्वारा सभी पैरामीटर पर ठीक प्रकार से कार्य किया जाये। कन्या सुमंगला योजना में जनपद को मिला टारगेट आई0सी0डी0एस0 एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्ण नही करने पर मुख्य विकास अधिकारी ने टारगेट पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी जी0बी0 पाठक, डिप्टी सीएमओ, डीपीएम रघुवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा0 अनुपमा शांडिल्य, सीडीपीओ, सुपरवाइजर, एमओआईसी एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं नगर निगम, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायतीराज आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं एडीओ पंचायत सामंजस्य के साथ कार्य कर प्रगति बढ़ाये - सी0डी0ओ0

मुरादाबाद -मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति एवं ओ0डी0एफ0 प्लस के अर्न्तगत ग्रामों की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में सी0डी0ओ0 ने ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा करते हुए ए0डी0ओ0 पंचायत से ब्लाकवार जानकारी प्राप्त करते हुए ऑपरेशन कायाकल्प संतृप्तीकरण में गति बनाये रखने के निर्देश दिये हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के अर्न्तगत ठाकुरद्वारा, कुन्दरकी तथा बिलारी विकास खण्डों में अन्य ब्लाकों से कम प्रगति होने पर लक्ष्य के सापेक्ष समय से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकास खण्ड ठाकुरद्वारा के 71, कुन्दरकी के 78 तथा मूढापाण्डे के 57 केयर टेकरों का भुगतान न होने पर सीडीओ ने भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। सी0डी0ओ0 ने बैठक में कहा कि जो भी विभिन्न शासकीय योजनाएं हैं, उनका विशेष ध्यान रखते हुए अधिकारीगण नियमित मॉनीटरिंग करते रहें तथा मनरेगा के कार्यो पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यो का संपादन समय से करते रहें, आपस में समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को गति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि एडीओ पंचायत ग्राम प्रधानों का सहयोग लेकर ऑपरेशन कायाकल्प में बेहतर प्रगति सुनिश्चित करें तथा आंगनवाडी केन्द्रों पर भी बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें। मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायत राज विभाग के शौचालय निर्माण, पंचायत भवन, रेटरो फिटिंग, अन्त्येष्टि स्थल, बहुउद्देश्य पंचायत भवन, जनसेवा केन्द्र, गौ आश्रय स्थल एवं आइजीआरएस की समीक्षा करते हुए खण्ड विकास अधिकारियों एवं एडीओ पंचायत को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। सी0डी0ओ0 ने सभी 643 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों में विद्युत कनेक्शन का कार्य शतप्रतिशत कराने के निर्देश एडीओ पंचायत को दिए। सामुदायिक शौचालय पर तैनात केयरटेकर का भुगतान समय से करने के निर्देश दिये। कई विकास खंडों मे केयर टेकरों का भुगतान लम्बित होने पर सी0डी0ओ0 ने कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिये। सीडीओ ने पंचायत सहायकों का भुगतान समय से करने के निर्देश दिये हैं।इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी जी0बी0 पाठक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार, जिला बचत अधिकारी सिद्धार्थ, खण्ड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम से शिकायत का कैलिया पुलिस पर नहीं हुआ कोई असर

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

पवन कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) एसडीएम अंगद सिंह यादव को एक शिकायती पत्र देते हुए राजगोविद्र पुत्र भगवत पाल निवासी ग्राम खेरी थाना केलिया ने बताया है की घटना दिनांक तीन जुलाई की रात्रि आठ बजे की है वह आम रास्ते से अपने घर जा रहा था तभी रास्ते मे लोमन सिंह ठाकुर पुत्र श्री भूप सिंह निवासी खेरी के पालतू आदमखोर कुत्ते ने प्रार्थी के हाथ पैर मे बुरी तरह से काट लिया जिस पर उप जिलाधिकारी ने कैलिया पुलिस के लिए लिखित

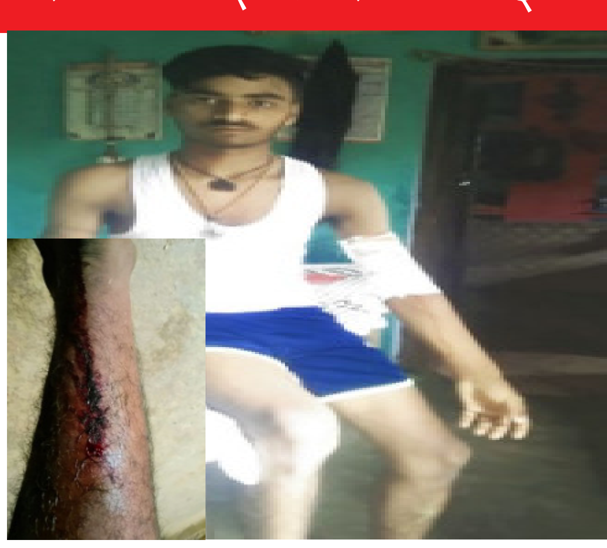

आदेश किया था इसके बावजूद भी कैलिया पुलिस अभी तक आदमखोर जानवर के मालिक के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की पीड़ित को आवेदन धमकाते हैं कि जितना शिकायत करना हो तो कर लो हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक डॉ ईराज राजा को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि घटना बीती 3 जुलाई की है गांव के ही लोंगन सिंह के फालतू आदमखोर कुत्ते ने प्रार्थी को काट लिया था जिसकी शिकायत करने उनके घर गए तो उन्होंने उल्टा और मुझे जातिसूचक गालियां दी तथा मारपीट करने के लिए आमदा थे और धमकी दे रहे थे कि तुम्हें जो कुछ दिखाई दे तो करो पुलिस को अपनी जेब में रखता हूं क्योंकि मैं एक गांव का पूर्व प्रधान रहा हूं आखिरकार पुलिस क्यों नहीं इस घटना को संज्ञान ले रही क्या अन्य घटना का इंतजार कर रही।

एक किसान रहस्यमय ढंग से लापता गुमशुदगी दर्ज

शेर सिंह -क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-भुता- ग्राम खरदहा इलाका कुआंडांडा निवासी एक किसान खेत पर से रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी है ।पुलिस लापता युवक किसान की तलाश कर रही है। थाना क्षेत्र के ग्राम खर दाह इलाका कुआंडांडा निवासी एक किसान लगभग 25 वर्षीय धीरेंद्र कुमार पुत्र भानु प्रताप पिछले 8 जुलाई शनिवार को घर पर खेत पर जाने के लिए कह कर गया था। वहीं से रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। वह जब शाम तक वापस नहीं आया। और उसका फोन भी स्विच ऑफ जा रहा था। तभी परिजनों ने उसकी सभी जान पहचान व रिश्तेदारियों आदि में खोजबीन की ।लेकिन उसका कोई पता नहीं चला है। परिजनों को आशंका है कि उसके साथ कोई अप्रिय घटना न हो जाए। परिजनों ने इसकी थाना भुता में तहरीर देकर गुमशुदगी में रिपोर्ट दर्ज करायी है । पुलिस भी लापता किसान तलाश कर रही है।

नानऊ में सदिंग्ध हालात में महिला की मौत मायके वालों ने किया हंगामा

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ -अकराबाद - गांव नानऊ में एक महिला की सदिंग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने हंगामा कर दिया। जनपद एटा के थाना पिलुआ के गांव गढ़वाला निवासी बीरेंद्र सिंह ने अपनी पुत्री पूनम की तीन वर्ष पूर्व शादी की थी ।जिसपर एक लड़की पूर्वी है।पूनम के भाई ने बताया है कि रात बहन से फोन पर बात हुई थी सुबह जब उसकी मौत की सूचना मिली तो वह सकते में रह गए। परिवार के अन्य लोगों के साथ वह उसकी ससुराल नानऊ आए जहां 20 वर्षीय पूनम मृत अवस्था में पड़ी थी। उसके ससुरालीजनों का कहना था कि पूनम बीमार चल रही थी जिसका इलाज चल रहा था। ससुरालीजनों की बात से संतुष्ट न होने पर पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिस पर इंन्सपेक्टर एमपीसिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और मौजूद दोनों पक्षों से मामले की जानकारी ली। इस संबंध में थाना प्रभारी एमपीसिंह ने बताया है कि मायके वालों की ओर से प्रार्थना पत्र आयेगा तो शव का पोस्टमार्टम कराकर कार्यवाही की जायेगी।

माता-पिता को पहचानने से किया इंकार, बोली- प्रेमी के साथ ही रहूंगी

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ - अलीगढ़ घर से भाग कर गई थाना गंगीरी के एक गांव निवासी युवती थाने पहुंच गई। युवती का कहना है कि वह अपने प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है। घरवालों के काफी विनती करने के बावजूद वह उन्हें पहचानने से इंकार करती रही। युवती की 6 जुलाई को शादी होनी थी लेकिन 2 जुलाई को गांव के ही एक युवक के साथ घर से भाग गई थी। युवती के पिता ने थाने में गांव के ही युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। को वह थाने आई और कहने लगी कि मैं तो प्रेमी के साथ ही रहूंगी। पुलिस ने युवती को बयान के लिए कोर्ट में पेश किया। इधर, परिवार वालों ने युवती की जगह उसकी छोटी बहन की शादी कर दी थी। घर वाले उसे मनाने के लिए विनती करते रहे लेकिन वह नहीं मानी। यहां तक उसने माता-पिता को भी पहचानने से इंकार कर दिया।

पुलिस लिखी बाइक पर असलाह सहित फोटो वायरल करने पर दो युवकों के खिलाफ कार्यवाई के आदेश

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ अकराबाद - पुलिस लिखी बाइक पर असलाह सहित दो युवकों के फोटो सोशलमीडिया पर वायरल होने पर एसएसपी ने कार्यवाई के आदेश दिए है। एक बाइक पर अलग अलग दो युवकों के असलाह सहित शोशलमीडिया मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया है। मामले में एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सीओ को कार्यवाई के आदेश दिए है। वायरल फोटो में दोनों युवक थाना के गांव भिलावटी के बताए जा रहे है। फोटो से जनता में भय व्याप्त हो रहा है। लोग डरे हुए हैं। मामले में थाना प्रभारी एमपीसिंह ने बताया है कि वायरल फोटो की तस्दीक के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्यवाई की जायेगी।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ - अकराबाद - जल जीवन मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम इन्दिरा गांधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन नोएडा की ओर से विकास खंड कार्यालय अकराबाद पर आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य बिजेंद्र सिंह यादव व संजय दिवाकर ने किया। जल जीवन से जुड़े अधिकारियों ने जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जल को बचाने के लिए उसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मौके पर किट, नोट पैड, पेन, जल जीवन बुकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला ऑर्डिनेटर अशोक कुमार ,जिला अध्यक्ष रोहिताश कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग यादव, ब्लॉक उपाध्यक्ष रूपेंद्र द्विवेदी, महिला उपाध्यक्ष मधुबाला, पंचायत सहायक विजय कुमार, विनय कुमार, रोहताश कुमार, लक्ष्मण कुमार, नरेंद्र कुमार, विजेता कुमारी, मीना कुमारी, नीलम कुमारी, सीमा यादव, काजल, विनीता कुमारी, रेनू कुमारी, अनिल कुमार, मनोज कुमार, दीपक कुमार, एसपी सिंह, अनुज कुमार, सत्यम, प्रियंका कुमारी, दीप्ति आदि पंचायत सहायक मौजूद रहे।

फेसबुक पर दोस्ती के बाद की कोर्ट मैरिज, गर्भवती कर हुआ गायब, सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ - सात महीने पहले दीपक ने उसके साथ त्रिपुरा में कोर्ट मैरिज की और उसे पत्नी बनाकर साथ ले आया। पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी के बाद दीपक बिना बताए चला गया। त्रिपुरा की बसंती से सात महीने पहले कोर्ट मैरिज करने वाले सिपाही की खोजबीन के लिए अब अलीगढ़ पुलिस से मदद ली जाएगी। बसंती की तहरीर पर पुलिस ने सिपाही दीपक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सिपाही के लापता होने के बाद खानाबदोश जिंदगी जी रही बसंती को एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव की पहल पर सरकारी आवास व मेस में मुफ्त भोजन की सुविधा मिली है। नॉर्थ त्रिपुरा के रानीबारी की बसंती कर्मकार पुत्री सूजोई के मुताबिक फेसबुक के जरिए उसकी दोस्ती वर्ष 2020 में अलीगढ़ जनपद के नगला कुंजी थाना गोंडा निवासी दीपक कुमार से हुई थी। इस बीच दीपक का चयन सिपाही पद पर हो गया। दीपक की तैनाती कौशाम्बी पुलिस लाइन में है। सात महीने पहले दीपक ने उसके साथ त्रिपुरा में कोर्ट मैरिज की और उसे पत्नी बनाकर साथ ले आया। पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी के बाद दीपक बिना बताए चला गया। सिपाही दीपक के बिना सूचना गायब होने पर तीन जुलाई को आरआई ने रपट लिखाई। सीओ सिटी अभिषेक सिंह का कहना है दीपक से संपर्क नहीं हो पा रहा है। अलीगढ़ पुलिस से संपर्क कर उसे बुलाने का प्रयास किया जाएगा। उधर पीड़िता बसंती का कहना है वह गर्भ से है। अगर उसके मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो उसे मजबूर होकर अदालत में भरण-पोषण के लिए वाद दायर करना पड़ेगा। वह अब किसी समाजसेवी संगठन की तलाश में है जो उसका साथ दे सके।

सरकार के द्वारा एस्मा लगाने पर कर्मचारी आक्रोशित 17 जुलाई को कर्मचारी करेंगे जेल भरो एवं उग्र आंदोलन

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर -छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले संविदाकर्मी 10 दिनों से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं। इस आंदोलन में राज्यभर के 45 हजार संविदा कर्मचारी शामिल हैं। यह आंदोलन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। बता दें कि, कर्मचारियों की नाराजगी कांग्रेस की ओर से नियमितीकरण का वादा पूरा नहीं करने की वजह से है। जिन विभागों के कर्मचारी हड़ताल पर गए हैं, उनमें स्वास्थ्य, मनरेगा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना, अन्य विभाग शामिल हैं, जिनमें कामकाज इस हड़ताल की वजह से प्रभावित हो रही हैं। बीते साढ़े 4 सालों से अलग-अलग समय पर कर्मचारी संगठन आंदोलन करते रहे हैं। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया है कि कई बार बातचीत की पहल करने के बावजूद प्रशासनिक अफसरों ने कोई चर्चा नहीं की और ना ही इनकी मांगों पर ध्यान दिया। मजबूर होकर अब अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर्मचारियों को करना पड़ा है। हड़ताली कर्मचारियों पर लगाया गया एस्मा- सर्व संविदा कर्मचारियों के कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि हम सभी संविदा कर्मचारी अपनी जायज मांग को लेकर हडताल पर है मगर सरकार हमारी मांगों को लेकर न ही कोई संवाद कर रही है और न ही कोई ठोस निर्णय लिया जा रहा है। प्रवक्ता मनोज जायसवाल ने बताया कि, शासन की तरफ से प्रदर्शन-हड़ताल में शामिल स्वास्थ्य विभाग के संविदा नर्स, स्वास्थ्य कर्मी, एंबुलेंस सेवा के कर्मचारी को काम पर लौटने का आदेश जारी करते हुए उनपर एस्मा लागू कर दिया गया है। इस कदम से प्रदर्शनकारी काफी आक्रोशित है और आंदोलन उग्र करने की दी चेतावनी और बताया गया कि अगर किसी कर्मचारी पर कार्यवाही होती है तो हम सब 45 हजार कर्मचारी एक साथ है। जल सत्याग्रह सर्व संविदा कर्मचारियों के द्वारा आज प्रान्त स्तर पर एस्मा लगाने के विरोध में कई घंटों तक जल सत्याग्रह का किया गया आयोजन। 17 जुलाई को किया जाएगा जेल भरो आंदोलन के साथ-साथ उग्र आंदोलन- सर्व संविदा कर्मचारी संघ के जिला संयोजक ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि संविदा कर्मचारियों के पक्ष में कोई निर्णय नही होने पर एवं सरकार के द्वारा एस्मा लगाने से आक्रोशित 45 हजार संविदा कर्मचारी एक साथ 17 जुलाई को रायपुर में जेल भरो आंदोलन के साथ-साथ उग्र आंदोलन की दी चेतावनी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होंगी।

2 गैर जमानती वारंटी गिरफ्तार

शेर सिंह
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा चलाए जा रहे अपराध व अपराधियों की रोकथाम हेतु अभियान के अंतर्गत श्रीमान पुलिस अधीक्षक नगर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय महोदय के कुशल निर्देशन में श्रीमान प्रभारी निरीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व में थाना ड्ढ3 चैनपुर पुलिस द्वारा 2 गैर जमानती वारंटी 1.मेवाराम पुत्र नारायण निवासी ग्राम रामनगर गोटिया 2.पुष्कर पुत्र रामकुमार निवासी राम गंगा कॉलोनी ड्ढ3 चैनपुर बरेली को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।
बिथरी चैनपुर पुलिस

सावन का महीना बम बम भोले के जयकारे भक्तों को रिझाने की हर हर महादेव

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद में सावन का महीना बम बम भोले के जयकारे भक्तों को रिझाने की हर हर हर महादेव पांडेश्वर नाथ मंदिर भजन कीर्तन प्रसाद 10ः00 बजे शादी के बाद महाशिवरात्रि भगवान शंकर का गणेश जी का सिंगार अति सुंदर भोलेनाथ माता भजन कीर्तन करते हुए के साथ भगवान की आरती परसादी समोसा छोले चावल पेड़ा मिठाई आपका भगवान को समर्पित कर भक्त लोग प्रसाद पाकर अपने को धन्य धन्य करते हुए भगवान के जयकारे लगाते हुए पांडेश्वर नाथ मंदिर में राम कथा सावन के महीने में मुन्ना पत्रकार उनकी

माता जी के द्वारा जय श्री राम प्रकाश गुप्त 21वीं पुण्यतिथि पर भक्तों को व्यास जी शिवचरण अग्निहोत्री पालीवाल के द्वारा अमृत कथा 18 तारीख 27 जुलाई का भक्त लोग राम कथा का रसपान अमृत वर्षा पांडेश्वर नाथ मंदिर में होगी श्री राम कथा 3ः30 बजे से समय 6ः30 बजे तक मुन्ना पत्रकार भगवान शंकर के मंदिर में राधा रानी भगवान शंकर के रिझाने का पूरा प्रयास भगवान शंकर भक्ति भाव में इसी प्रकार भक्ति में लगाएं

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव, गोली मारकर हत्या का आरोप, मचा कोहराम

खेतसराय रेलवे स्टेशन के 200 मीटर उत्तर रेलवे ट्रैक के किनारे संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव मिला। युवक के सिर में चोट के निशान थे। कुछ देर बाद युवक की शिनाख्त विशाल कुमार राजभर पुत्र प्रदीप कुमार राजभर निवासी अहिरो परशुरामपुर के रुप में हुई। विशाल टीडी कॉलेज मे बीए तृतीय वर्ष का छात्र था। पिता प्रदीप ने कहा कि विशाल रात में घर में ही सोया था। रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे ट्रैक के किनारे बुधवार की सुबह एक 21 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में खलबली मच गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान करते हुए हत्या का आरोप लगाया। कहा कि गोली मारकर युवक की हत्या की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग करते हुए परिजनों संग ग्रामीणों ने जौनपुर-खेतासराय मार्ग जाम करने की कोशिश की। शाम को मृतक के दादा की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर रेलवे पुलिस ने जांच शुरू कर दी। सुबह खेतसराय रेलवे स्टेशन के 200 मीटर उत्तर रेलवे ट्रैक के किनारे संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव मिला।

युवक के सिर में चोट के निशान थे। कुछ देर बाद युवक की शिनाख्त विशाल कुमार राजभर (21) पुत्र प्रदीप कुमार राजभर निवासी अहिरो परशुरामपुर के रुप में हुई। विशाल टीडी कॉलेज मे बीए तृतीय वर्ष का छात्र था। पिता प्रदीप ने कहा कि विशाल रात में घर में ही सोया था। भोर में अपने बिस्तर पर नहीं था। सुबह खोजबीन कर रहे थे तभी रेलवे ट्रैक के किनारे शव मिलने की सूचना मिली। विशाल के सिर में चोट थी जिसे गोली का बताया जा रहा है। आरोप है विशाल को किसी बहाने से कुछ लोगों ने बुलाकर सिर में गोली मारकर शव ट्रैक के किनारे फेंक दिया था। इस मामले में जीआरपी चौकी प्रभारी यजुवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस मामले में मृतक के दादा रामफेर की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

यूपी सरकार की घोषणा: चारागाह भूमि से कब्जा मुक्ति के लिए चलेगा 45 दिन का अभियान, 25 अगस्त को होगा समापन

पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेस वार्ता कर विभाग की योजनाओं पर चर्चा की और पशुओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए क्या करने वाले हैं। इस संबंध में जानकारी दी।पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में चरागाह की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करते हुए उन पर नेपियर घास विकसित की जाएगी। इन्हें गोचर भूमि के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 11 जुलाई से 25 अगस्त तक 45 दिन का विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। वह नियोजन भवन में पत्रकारों से विभाग की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। पशुधन मंत्री ने कहा कि पशुधन विकास के लिए पशुपालन विभाग विभिन्न योजनाएं चला रहा है। पशुधन उत्थान वर्णसंकर केंद्र बरेली का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यहां ब्राजील की एक टीम आकर भ्रूण प्रत्यारोपण का काम भी करेगी। इसके अलावा राष्ट्रीय गोकुल मिशन में नस्ल संवर्धन के लिए 4 करोड़ रुपए प्रति परियोजना की दर से 4 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। चरागाह की भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए सभी मंडलों में टीमें तैनात कर दी गई हैं। इसके लिए गायों को लोगों को देने के लिए भी योजना शुरू की गई है । 25 गाय 2 एकड़ जमीन में रखने पर 23 लाख का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि 22 जुलाई को वन महोत्सव पर सभी लोग पांच-पांच गौ वृक्ष लगाएं जिनमें पीपल, पाकड़, बरगद, गुलर और जामुन को शामिल करें। हर गौशाला में यह पौधे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी डीएम, एसएसपी को यह निर्देश दिए गए हैं कि वह चरागाह की भूमि को मुक्त करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंश के लिए भूसे और चारे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं । गला घोटू बीमारी का टीकाकरण निशुल्क किया जा रहा है साथ ही 162 टोल फ्री नंबर पर पशुपालकों के द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो रही है।

लूटे गए मोबाइल फोन सहित दो शातिर युवक व खरीदने वाला दुकानदार गिरफ्तार

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद थाना कमालगंज पुलिस ने लूटे गए मोबाइल फोन सहित दो शातिर युवक व खरीददार दुकानदार को गिरफ्तार किया है थाना कमालगंज पुलिस ने महरुपुर रावी निवासी 20 वर्षीय अर्जुन गिहार पुत्र खुशीराम ग्राम राजेपुर सरायमेदा निवासी आसिफ पुत्र महफूज एवं जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज के ग्राम खाडेदेवर निवासी रितिक पुत्र महेश को ग्राम भटपुरा मोड़ पर गिरफ्तार किया है जिनको पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश किया गया अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह ने बताया की अर्जुन व रितिक शातिर लुटेरे हैं जिनके पास से लूटे गए 5 मोबाइल फोन व लूट की घटनाओं में प्रयोग की जाने वाली बाइक बरामद हुई है ये शातिर महरुपुर रावी निवासी राजा पुत्र बाबा एवं खाडेदेवर निवासी सोनू पुत्र सुहेल के साथ राहगीरों के मोबाइल फोन लूटते हैं जिन्होंने करीब डेढ़ दर्जन मोबाइल फोन दुकानदार आसिफ को ढाई हजार से तीन हजार में बेचे हैं अर्जुन व रितिक की निशानदेही पर आसिफ की दुकान पर लूटे गए 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए मोबाइल फोन लूट की दो घटनाओं के कमालगंज थाने में मुकदमे दर्ज कराए गए थे पुलिस राजा एवं सोनू को तलाश कर रही है

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
13 July 2023

मुख्य अभियंता लुधियाना ने कर्मचारियों के पेंशन मामलों की समीक्षा की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र - लुधियाना) इं. इंद्रपाल सिंह ने लुधियाना में समीक्षा बैठक के दौरान कर्मचारियों की पेंशन के लंबित मामलों की समीक्षा की। आज, पटियाला मुख्य कार्यालय से पांच सदस्यीय टीम लुधियाना मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंची और समीक्षा बैठक का संचालन उप मुख्य अभियंता (तकनीकी से निदेशक प्रशासन) सुखविंदर सिंह, अधीक्षक अभियंता (मुख्यालय) इं. रमेश कौशल एवं उप सचिव निशी रानी द्वारा किया गया। बैठक के दौरान करीब 25 डिवीजनों से अधीक्षक और लेखाकार पेंशन के मामलों की फाइलें लेकर पहुंचे।

कार्य की समीक्षा के बाद मुख्य अभियंता इं. इंद्रपाल सिंह ने संबंधित कर्मचारियों को काम में तेजी लाने और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के मामलों की फाइलें पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मामलों का मौके पर ही निस्तारण करने पर टीम की सराहना भी की। बैठक सीएमडी पीएसपीसीएल बलदेव सिंह सरां और डायरेक्टर एडमिन इं. रविंदर सिंह सैनी के निर्देशानुसार आयोजित की गई। मीटिंग के दौरान टीम ने वेस्ट सर्कल लुधियाना, साउथ सर्कल, सब अर्बन सर्कल लुधियाना, खन्ना सर्कल, पी एंड एम सर्कल लुधियाना के अधिकारियों से पेंशन के विभिन्न मामलों के बारे में विस्तृत जानकारी ली और सख्त निर्देश जारी किए गए। इं. सुखविंदर सिंह ने कहा कि बैठक के दौरान 22 अगस्त से 30 जून, 2023 तक पीएसपीसीएल के पेंशनभोगियों से संबंधित सभी लंबित मामलों का निपटारा किया गया और जो कर्मचारी 31 दिसंबर, 2023 तक सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनके पेंशन मामलों की पैरवी की गई ताकि उन्हें समय पर सेवानिवृत्ति लाभ मिल सके। उन्होंने कहा, 31 दिसंबर, 2023 तक लगभग 900 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

इसके अलावा, 16 अप्रैल, 2010 से 31 दिसंबर, 2022 के बीच मृत कर्मचारियों के 40 पेंशन मामलों की भी समीक्षा की गई और इनमें से 24 मामलों का समाधान किया गया। इं. सुखविंदर सिंह ने कहा कि पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए, पीएसपीसीएल ने अपने पेंशनभोगियों के लिए एक समर्पित 卐पेंशन हेल्पलाइन卐 स्थापित की है। 卐अब, सेवानिवृत्त व्यक्ति/मृतक के आश्रित हेल्पलाइन मोबाइल नंबर पर कॉल/व्हाट्सएप/एसएमएस कर सकते हैं। अपने पेंशन मामलों की स्थिति से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए 9646115517 (किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 7-30 बजे से दोपहर 2-00 बजे तक) एक डिज़ाइन किए गए प्रारूप पर, जो पीएसपीसीएल वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा

कि उन्होंने विभाग द्वारा पीजीआरएस (पंजाब सरकार निवारण प्रणाली) पोर्टल में प्राप्त शिकायतों/शिकायतों की स्थिति रिपोर्ट भी ली ताकि इन्हें जल्द से जल्द हल किया जा सके।

प्रशासन लुधियाना में बुड्ढा दरिया और सतलुज पर पुलों की संरचनात्मक सुरक्षा का आकलन कर रहा है- सुरभि मलिक

सत पाल सोनी-क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - उपायुक्त सुरभि मलिक ने बुधवार को कहा कि जिला प्रशासन किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए जिले में बुड्ढा दरिया और सतलुज नदी पर सभी पुलों का सुरक्षा मूल्यांकन कर रहा है। उपायुक्त, जिन्होंने आज समराला, माछीवाड़ा और कूम कलां क्षेत्रों में कई बाढ़ प्रभावित गांवों का तूफानी दौरा किया, ने कहा कि मूल्यांकन के बाद, यदि पुल

(पुली) असुरक्षित पाए जाते हैं, तो किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिए जाएंगे। उन्होंने लोगों से फिलहाल पुलों के साथ-साथ बाढ़ वाले इलाकों में जाने से बचने को भी कहा। उपायुक्त ने आगे कहा कि बुड्ढा दरिया का जलस्तर एक और दिन बढ़ सकता है क्योंकि खेतों से बाढ़ का पानी अब बुड्ढा दरिया में जाना शुरू हो गया है. हालाँकि, यह अस्थायी है और उम्मीद है कि एक या दो दिन में यह साफ़ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बुड्ढा दरिया के पास पड़ने वाले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा। मलिक ने कहा कि लोगों को घबराना नहीं चाहिए क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य भर में लगातार बारिश के बाद उत्पन्न स्थिति पर नियमित नजर रखते हुए उनकी सेवा के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी बातचीत की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आज शाम तक जिले में 50,000 से अधिक रेत के बैग उपलब्ध होंगे जिनका उपयोग ओवरफ्लो/उल्लंघन, यदि कोई हो, को रोकने के लिए किया जाएगा।

पंचायतें प्रशासन को सहयोग दे, तटबंधों की सुरक्षा के लिए रात्रि निगरानी रखती हैं

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - दोराहा नहर में बाढ़ के पानी के प्रवाह पर निरंतर नजर रखने के लिए, ठीकरी पहरा या गांवों में रात्रि जागरण से तटबंधों को और अधिक टूटने और सुरक्षित रखने में मदद मिली। सेना के साथ प्रशासन की टीमें और राजगढ़, कटाना, रामपुर और अन्य आसपास के गांवों के निवासी मैदान पर रहे और सुनिश्चित किया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो। दोराहा नहर में अब तक दो दरारों की सूचना मिली है और सभी के सामूहिक प्रयासों से इसे तुरंत बंद कर दिया गया है। प्रशासन नहर के प्रवाह पर पैनी नजर हुए है और किसी भी जरूरी स्थिति से निपटने के लिए ट्रैक्टरों में मिट्टी और साथ ही रेत के थैले भरकर तटबंधों पर तैयार रखे ताकि उन्हें मजबूत किया जा सके। पायल की एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर ने कहा कि इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकालने के अलावा तटबंधों को तत्काल मजबूत करने को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारों और अन्य पूजा स्थलों के माध्यम से सार्वजनिक घोषणाएं की जाती थीं और इन गांवों के लोग एक आम स्थान पर इकट्ठा होते थे और प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते थे। उन्होंने कहा कि रेत की बोरियां भरने के लिए नरेगा श्रमिकों को भी तैनात किया है। इस बीच, उपायुक्त सुरभि मलिक ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं कि गांवों में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल हो। मलिक ने ग्रामीणों के भरपूर समर्थन की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से प्रशासन को और नुकसान रोकने में मदद मिली।

यूपी रोडवेज : रूखे अंदाज में सवारियों से बात करते नहीं दिखेंगे बसों के ड्राइवर-कंडक्टर, सलीके से करना होगा बात

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों में सफर करने वाले यात्री अब न सिर्फ सुविधाजनक यात्रा का लाभ उठाएंगे, बल्कि चालक और परिचालकों के अच्छे व्यवहार से भी उन्हें चैन की यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा। यह बदलाव योगी सरकार के परिवहन निगम की छवि को सुधारने के तहत लिए गए निर्णय के चलते जल्द ही यात्रियों को देखने को मिलेगा। परिवहन निगम की समीक्षा बैठक में भी छवि को बेहतर बनाने एवं यात्रियों के साथ अच्छे व्यवहार के लिए कार्य किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी रोडवेज की बसों के ड्राइवर और कंडक्टर अब सवारियों से रूखे अंदाज में बात करते हुए नहीं दिखेंगे। उनको अब सवारियों के साथ विनम्र होकर बात करनी होगी। सुखद होगा यात्रियों का अनुभव मंगलवार को प्रमुख सचिव (परिवहन) एवं अध्यक्ष एल वेंकटेश्वर लू, एमडी मासूम अली सरवर, एएमडी अन्नपूर्णा गर्ग एवं यूपीएसआरटीसी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से समस्त क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ संचालन तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा बैठक में सबसे ज्यादा महत्व विभाग की छवि सुधारने को लेकर रहा। कहा गया कि परिवहन निगम की अच्छी छवि बनाने के लिए कार्य करें। 15 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं तथा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम राज्य सरकार के सबसे बड़े विभागों की श्रेणी में आता है। यात्री हमारे ग्राहक है उनके साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। चालकों-परिचालकों को व्यवहार के संबंध में परामर्श दिया जाए, ताकि यात्रियों के अनुभव को सुखद बनाया जा सके।

बिना टिकट यात्रा मामलों में लाई जाए कमी

बैठक में क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधको को अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से करना

सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कहा गया कि बसों का समयबद्ध संचालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए,

जिससे की निगम की स्वच्छ छवि बनें। चालक-परिचालक का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराना सुनिश्चत करें। बिना टिकट यात्रियों के प्रकरणों में कमी लाने के लिए कठोर कार्यवाही करें।

डीजल चोरी के प्रकरणों में सख्त एवं कठोर कार्यवाही की जाए। चालक-परिचालक का त्रैमासिक आवंटन नियमित रूप से बनाया जाए। इसके साथ ही, आरएम, एसएम एवं एआरएम से अपेक्षा की गई है कि वे स्वयं भी बसों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

मानव सर्व सहयोग सेवा सोसाइटी की तरफ से बाढ़ से ग्रस्त जरूरतमंद लोगों को खाने पीने का सामान वितरित किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - शहर में लगातार पड़ रही बारिश से भारी नुकसान हो रहा है जिससे निपटने के लिये यहाँ पंजाब सरकार व जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ से निपटने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे है। वहीं धार्मिक संस्थायें भी लोगों की सेवा कर रही है। मानव सर्व सहयोग सेवा सोसाइटी टीम की तरफ से बाढ़ से ग्रस्त इलाकों का दौरा किया और जरूरत मंद लोगों को खाने पीने का सामान वितरित किया गया। सोसाइटी की अध्यक्ष व कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष सुरिन्द्र कौर व पंजाब कांग्रेस की सेकेट्री रम्मी मूम ने कहा कि मानव सेवा सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, धार्मिक व सामाजिक पार्टियों को अपील की है कि पार्टी बाजी से ऊपर उठ कर लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था जो कि सेवा के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहती है। इस मौके पर महिला कांग्रेस की वार्ड प्रधान आशा चोपड़ा, जिला कांग्रेस की सेक्टरी किरण बाला, कंचन बाला, सुरजीत राम, रौनक, मेहरदीन अंसारी सहित समहू टीम सदस्य उपस्थित थे।

महोबा में भीषण सड़क हादसा: हाईवे पर बेकाबू कार पेड़ से टकराई, महिला की मौत, चार घायल

यूपी के महोबा जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ। बेकाबू कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में महिला की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कानपुर-सागर हाईवे पर बरा नाला के पास तेज रफ्तार बलेनो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पति, बहू, पुत्र व नाती गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सभी की हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर किया गया। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है। जनपद बांदा के कोतवाली रोड निवासी अनिल जैन (65) अपनी पत्नी चंदा जैन (60), पुत्र अनुज जैन (29), बहू सोनिया (27) व एक वर्षीय मासूम नाती दर्शन जैन के साथ मंगलवार को बलेनो कार से मध्यप्रदेश के जनपद टीकमगढ़ गए थे। वहां जैन समाज की गुरूमाता के दर्शन कर पूरा परिवार कार से घर वापस लौट रहा था। रात करीब एक बजे हाईवे पर बरा नाला के पास कार चला रहा अनुज संतुलन खो बैठा।

जिससे गाड़ी सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना के बाद घायलों में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। गंभीर हालत में सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने चंदा जैन को मृत घोषित कर दिया जबकि पति, बहू, पुत्र व नाती की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज कानपुर रेफर किया गया। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि दुर्घटना की जांच कराई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
खेल समाचार
www.knlslive.com
13 July 2023

Sri Lanka did this feat for the first time in the history of cricket, embarrassing record added to New Zealand's name

SL-W vs NZ-W 3rd T20I Sri Lanka women's cricket team put up a fine performance to hand New Zealand a 10-wicket defeat in the third T20I. In the format of quick cricket, Sri

Lanka has won by 10 wickets for the first time in any match. At the same time, the Kiwi team had to face defeat by 10 wickets in T20 for the first time. Sri Lanka women's cricket team has created history in Colombo. Under the captaincy of Chamari Atapattu, Sri Lanka tasted victory by 10 wickets for the first time in the history of T20 cricket. Sri Lanka beat New Zealand in a one-sided match. At the same time, in the format of fast cricket, New Zealand had to face defeat by 10 wickets for the first time. Sri Lanka's resounding victory - In the third T20 match of the series, New Zealand, batting first, scored 140 runs on the score board losing 9 wickets in 20 overs. On behalf of the team, Suzy Bates scored 37 runs while batting well, while captain Sophia Devine scored 46 runs in 25 balls. Sri Lanka, who faced defeat in the first two T20 matches, had to chase 141 runs to save the honour. Chamari Atapattu created havoc - Chasing the target of 141 runs, Sri Lanka got off to a bang. Captain Chamari Atapattu, who is in excellent form, played a blistering inning of 80 not out in just 47 balls while batting in a blistering manner. During his innings, Atapattu scored 13 fours and two sixes while playing at a strike rate of 170. The Sri Lankan skipper was well supported by Harshita Samarawickrama and the duo shared an unbroken 143-run partnership for the first wicket to take the team to a memorable victory. Harshita scored an unbeaten 49 off 40 balls. For the first time in the history of T20 cricket, the New Zealand women's team had to face defeat by 10 wickets. New Zealand captured the T20 series - despite facing defeat in the third T20 International T20 New Zealand won the series 2-1. In the first T20 match, the Kiwi team tasted defeat by Sri Lanka by 5 wickets. At the same time, in the second T20, New Zealand won by 8 wickets. However, Sri Lanka scripted history by winning the ODI series 2-1.

'There is a big difference between first class and test, Yashasvi Jaiswal's path will not be easy', says Akash Chopra

Yashasvi Jaiswal has been included in the Indian Test team after scoring runs in IPL 2023 and domestic cricket. Captain Rohit Sharma has confirmed Yashasvi's Test debut in the press conference. In the first Test against the West Indies, Yashasvi will be seen opening the innings with the captain. However, former India batsman Aakash Chopra believes that the road is not going to be easy for Yashasvi. Akash praised Yashasvi- Akash Chopra while talking to Geo Cinema praised Yashasvi Jaiswal. He said, "The good thing about the selection of Yashasvi Jaiswal is that he has not got a place in the team only on the basis of his IPL performance. Yes, obviously he has done well in this season of IPL, but after that he has done well in Mumbai. And while playing for West Zone, he scored a ton of runs in first-class cricket."Yashasvi's road to success will not be easy - The former Indian batsman further added, "Actually, wherever he played, he scored a lot of runs for the team. The reason is that he has the understanding of playing the day format and he knows how to play as a batsman in this format. However, it will not be an easy road for Yashasvi Jaiswal, as there is a huge difference between the standard of first class and test cricket. , But I think Yashasvi will do very well after some time." Yashasvi will open in the first Test – Captain Rohit Sharma disclosed in the press conference that Yashasvi Jaiswal will make his debut in the first Test against the West Indies. Along with this, the Indian captain told that Yashasvi will be seen opening the innings with him. At the same time, the Shubman Gill will be seen playing at number three. India has not lost any Test match against West Indies for the last 21 years.

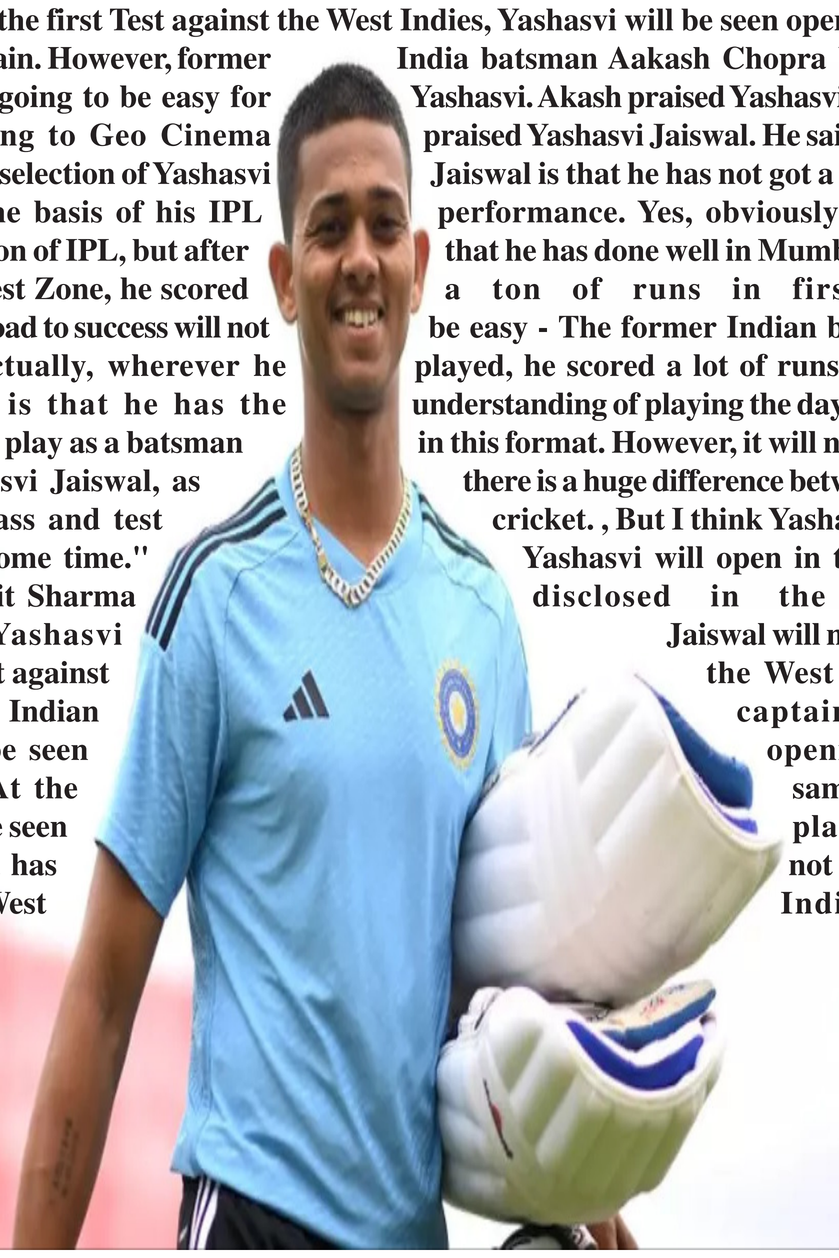

India's answer: 'Team India will not go to Pakistan for Asia Cup', BCCI retorts to Sharif's minister's rant

IPL chairman Arun Dhumal's big statement has come amidst the hysteria of Pakistan. He has given a befitting reply to Pakistan. Dhumal has said that whatever happens, Team India will not travel to Pakistan. Pakistan's drama regarding the Asia Cup and the World Cup has been going on for some time now. Despite the Asia Cup tournament being fixed on the hybrid

model, Pakistan is trying to create a ruckus on it. There Sports Minister Ahsan Mazari had said that he would again oppose India not coming to Pakistan for this tournament and if Team India does not come here, Pakistan team will also demand its match at a neutral place for the World Cup. . IPL chairman Arun Dhumal's big statement has come amidst the hysteria of Pakistan. He has given a befitting reply to Pakistan. Dhumal has said that whatever happens, Team India will not travel to Pakistan. Dhumal is currently in Durban for the ICC Chief Executives' Meeting (CEC). He confirmed that BCCI secretary Jay Shah and PCB representative chief Zaka Ashraf met ahead of Thursday's ICC board meeting to finalize the schedule. Dhumal said- BCCI secretary met PCB chief Zaka Ashraf and the schedule of Asia Cup was finalised. As discussed earlier about this tournament, the talk continues on the same. Pakistan will have four matches in the league round, while nine matches will be played in Sri Lanka. These include both the matches between India and Pakistan. If both teams play the final, the third game will also be played in Sri Lanka. Pakistan will play only one match on its soil He dismissed reports coming from Pakistani media that India will travel to the neighboring country as claimed by their Sports Minister Ahsan Mazari. Dhumal said, "There was no such discussion. All the reports are fake. Neither India is traveling to Pakistan nor will our secretary travel there. Only the program has been finalised." In all likelihood, India will play Pakistan in Dambulla, Sri Lanka, just like the 2010 edition. Pakistan's only home match at home will be against weak Nepal. The other three matches to be played there could be Afghanistan vs Bangladesh, Bangladesh vs Sri Lanka and Sri Lanka vs Afghanistan. Pakistan's drama continues since last year Actually, since last year there is a dispute regarding the venue of the Asia Cup. The PCB drama continues after Asian Cricket Council President Jay Shah announced to hold the tournament at a neutral venue. Former PCB chief Rameez Raja had protested against the tournament not being held in Pakistan and had threatened not to come to India for the World Cup. Then Najam Sethi became the interim chairman of PCB. He also made the same threat. However, later after several meetings, it was decided to conduct the tournament on a hybrid model. In which it was decided to have four matches in Pakistan, while all the other matches including the Super-Four and the final would be held in Sri Lanka. Pakistan had also expressed objection on the World Cup schedule, after this the chairman was changed again in PCB. Najam Sethi left his post. However, the new chairman of PCB has not been announced yet and Zaka Ashraf is certain to be elected. Meanwhile, the ICC released the World Cup schedule after Pakistan's consent. As soon as the schedule was released, Pakistan disputed the venue of the two matches. These include matches against Afghanistan at Chepauk, Chennai and against Australia at Chinnaswamy, Bengaluru. However, the ICC turned down the PCB's demand. Then Pakistan raised the issue of security and Prime Minister Shahbaz Sharif formed a high level committee. No PCB official was included in this committee. Only politicians were kept in it, on which former cricketers targeted. Pakistan's Sports Minister Ahsan Mazari is also included in this committee. He had recently said in a statement- Since the Pakistan Cricket Board (PCB) comes under my ministry, if India demands to play its Asia Cup matches at a neutral venue, we will also play our matches in India. Will demand the same for World Cup matches. He had said that Zaka Ashraf would demand this in the ICC Board meetings. However, the ICC had also once warned the PCB on Pakistan's repeated threat of not coming to India. He had said that Pakistan has signed an agreement to participate in the World Cup. We are hoping that he will not renege on this agreement and will come to India. ICC had said - It is expected that Pakistan team will come to India ICC had said - All the teams participating in the World Cup are bound by the rules and regulations of their country and we also respect it. However, we are sure that Pakistan will definitely come to India to play the World Cup. The Asia Cup is going to begin on August 31, while the final will be played on September 17. At the same time, the ODI World Cup is going to start from October 5 in Ahmedabad with the match between England and New Zealand. India will start their campaign with a match against Australia on October 8. At the same time, Pakistan has to play the first two matches against Netherlands and Sri Lanka.

Release of 'Devdas' completes 21 years, Sanjay Leela Bhansali shares glimpses of the film

The film 'Devdas', directed by Sanjay Leela Bhansali, has completed 21 years today. Shah Rukh Khan and Aishwarya Rai were seen in the lead roles of Devdas and Paro in this film. Bhansali's period romantic drama film was a huge hit at the box office. On the occasion of

completion of 21 years of the film, Bhansali has shared happiness by sharing a video. A video has been shared on Wednesday from the official Instagram account of Bhansali Productions. In this, some glimpses of 'Devdas' have been shown to the audience and cinema lovers. After watching the video, old memories related to the film will be refreshed. Sharing the post, Bhansali wrote, 'Engaging on a beautiful journey where love knows no boundaries, a tapestry of emotions intertwined with Dev's yearning for Paro, Chunni's unwavering friendship and Chandramukhi's soulful solace. makes, which resonates even today'. Sanjay Leela Bhansali is known for the spectacular sets of his films. This quality of his was clearly visible in this film as well. The starcast of this film was special in itself. Every star breathed life into their character. Shahrukh Khan as Devdas, while Aishwarya Rai too was engrossed in this role with Paro's innocence and resilience. Madhuri Dixit played the role of Chandramukhi. At the same time, Jackie Shroff presented an example of friendship in the role of Chunni Babu. There is a lot of interesting reaction from the users on Bhansali's video. One user wrote, 'I would like to see this film again in the cinema hall.' Another user wrote, 'This is a wonderful piece of art. With amazing casting. One user wrote, 'Iconic film, which is still a favorite.' The music in the film 'Devdas' was also amazing, whose songs are still heard with fervor. Composer Ismail Darbar composed the music for the film's scintillating songs over two years. According to reports, the recording of each song was done in about ten days. Madhuri Dixit and Aishwarya Rai's dance on the song 'Dola Re Dola' was special in itself.

Kangana's 'Tejas' stuck in trouble before release, team accused of cheating

Kangana Ranaut has been in the news for a long time. Some time back the actress' film Tiku Weds Sheru was released. Nawazuddin Siddiqui and Avneet Kaur were in the lead roles in this film. After this, a few days ago, the actress has announced her upcoming film Tejas. This film will be released on the special occasion of Dussehra. But as the film is making waves,

Kangana seems to be landing in trouble. In fact politician Mayank Madhur has leveled cheating allegations against the actress and has said that he will take legal action against her as well. He said during an interview that he arranged meetings for Kangana with Shivraj Singh Chouhan, Hemant Biswa and Rajnath Singh and that he has long-standing friendly relations with the actress. He recalled the episode of Tejas being allowed to shoot at Air Force bases. . He said that Kangana's meeting with Rajnath Singh was supposed to be for only 10 minutes but went on for almost two hours. Politician Mayank Madhur was supposed to get a role in 'Tejas', which has not happened. He revealed that his fee for the film has not even been paid. Mayank Madhur said that he is planning to take legal action against the makers and it was Kangana who got him involved in the matter. Kangana Ranaut's sister Rangoli is reportedly looking into the matter. Let us tell you that Kangana Ranaut is in the lead role of Air Force officer Tejas Gill in 'Tejas' directed by Sarvesh Mewada. The story of which revolves around the journey of a pilot and the brave soldiers who protect the country.

Varun Dhawan tightens his waist for Atlee's film VD18, will start shooting in Mumbai from this day

Varun Dhawan is gearing up for his next collaboration with Atlee. At the same time, a big update has come out regarding the shooting of this movie. Bollywood actor Varun Dhawan is in headlines these days for his upcoming film 'Bawal'. Along with this, he will also be seen in 'Citadel India', for which the enthusiasm of the fans is very high. Not only this, Varun had announced by posting last day that he has joined hands with Atlee, the successful director of

South. The collaboration of Varun and Atlee is currently titled #VD18. At the same time, now a big update has come out regarding the shooting of the movie. Shooting of VD18 will start from 16th July -Varun Dhawan is busy promoting his upcoming film 'Bawal' these days. However, on July 16, 2023, Varun will start shooting for his next project with director Atlee Kumar in Mumbai. The most awaited film guarantees to deliver a thrilling action-packed experience that will enthrall the audiences globally. Release date of VD18- According to media reports, Varun Dhawan is going to start shooting in Mumbai next week. Filmmaker Atlee Kumar will be present on the sets during the filming process. Murad Khetani and Priya Atlee will serve as joint producers for the project. While more details about this action-packed entertainer are yet to be revealed, it is confirmed that #VD18 will release worldwide on 31st May, 2024. Varun Dhawan, Atlee's Workfront - Varun Dhawan Talking about the upcoming film 'Bawal Ki Baat Karein', Janhvi Kapoor will be seen opposite the actor in this action-packed film. The movie is directed by Nitesh Tiwari, and is set to premiere on Prime Video on 21 July. Along with this, Atlee Kumar is directing the film 'Jawaan' starring Bollywood's King Shahrukh Khan. The preview of Jawan was unveiled on Monday, July 10, creating excitement among the fans. 'Jawaan' will hit the theaters on September 7.

Riddhi Dogra trolled for not appearing in Jawan preview, now the actress retaliated by posting

Famous television actress Riddhi Dogra is in headlines these days for her upcoming film 'Jawan'. In the film, the actress will be seen sharing screen space with the King of Bollywood, Shah Rukh Khan. Riddhi's fans are very happy since this announcement. At the same time, the preview of the movie released on the previous day also garnered a lot of praise. The preview has so far dominated the internet world. However, netizens lashed out at not seeing Riddhi's glimpse in it, but Riddhi has also been seen breaking the silence and giving a befitting reply to the trolls. Riddhi Dogra is also a part of Atlee's film. However, he did not get any

screen time in the preview of 'Jawaan'. On Tuesday, a social media user trolled the actress for the same thing. He tweeted, 'Even seen about 30 times, but I didn't see you in the preview.' Seeing the user's tweet, Riddhi also could not stop herself from reacting. The actress wrote, 'You have seen SRK 30 times. Just what else is needed. 'Fans have started a series of reactions on this answer of Riddhi Dogra. One has written, 'But in Asura, I was only looking at you.' Another wrote, 'Good answer. Keep up the good work, you will be seen in important, challenging and important roles. While, another writes, 'Why are you so cute...love your soul.' 'Jawaan' preview features Shah Rukh Khan in a grey-shaded ensemble with glimpses of Nayanthara, Vijay Sethupathi, Deepika Padukone, Priyamani and Sanya Malhotra. shown in character. Directed by Atlee, 'Jawaan' is slated to hit the screens on September 7. 'Jawaan' is an action thriller that also stars Nayanthara and Vijay Sethupathi along with Shah Rukh. The film also stars Deepika Padukone in a special appearance, and previews have confirmed earlier rumors of her joining. Apart from these, Jawan also stars Riddhi Dogra, Sanya Malhotra, Sanjita Bhattacharya and Girija Oak. If reports are to be believed, Dalpati Vijay and Sanjay Dutt also have cameos in the film. However, how much truth is there in this news, only time will tell.